Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment	Entertainment & Event
Property	Hobbies & Interests
Business Opportunity	Services
Vehicles	Jewellery & Watches
Announcements	Music
Antiques & Collectables	Obituary
Barter	Pets & Animals
Books	Retail
Computers	Sales & Bargains
Domain Names	Health & Sports
Education	Travel
Miscellaneous	

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

डर के मारे बंदूक में गोली नही लोड कर पाया आरोपी नीरज

मृतक प्रधान के पूरे परिवार को उड़ाने की साजिश रचकर आया था नीरज

खुलासा

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। नीरज ने प्रधान के पूरे परिवार की हत्या करने की साजिश रची थी। इसके लिए उसने पूरी तैयारी की थी। संयोग रहा कि डर के मारे वह बंदूक में गोली नही लोड कर पाया। अगर वह इसमें सफल हो जाता तो ग्रम प्रधान का पूरा परिवार मौत के आगोश में समा चुका चुका होता।

जानकारी के मुताबिक यह घटना शनिवार देर रात्रि की है। घटना बेरीनाग तहसील के माछीखेत ग्रम पंचायत की है। बता दें कि हादसे में मृतक ग्रम प्रधान को आरोपी नीरज ने उसके बड़े भाई के घर से लाइसेंसी बंदूक चुराकर वारदात को अंजाम देने के बाद वह मंदिर के बाथरूम में छिप गया। पुलिस ने बीते रविवार की देर सांय आरोपी नीरज को बंदूक व अठारह जिंदा कारतूस के साथ हत्या वाले स्थान से दो किमी दूर पर ही दबोच लिया। बता दें कि मृतक ग्रम प्रधान और हत्या का आरोपी नीरज आपस के रिश्ते में सगे चाचा व भतीजे लगते है।

पुलिस टीम के साथ हत्या का आरोपी।

मृतक ग्रम प्रधान पुष्कर सिंह डांगी को मौत के घाट उतारने के पीछे आरोपी का मकसद लाकडाउन में जब वह घर आया तो ग्रम प्रधान पुष्कर व उसका पूरा परिवार उसको हर समय प्रताड़ित करते रहते थे। वही नीरज बार बार अपना उत्पीड़न बर्दास्त नही कर पाया। उसने तंग आकर प्रधान व प्रधान के परिवार को मारने की साजिश रच डाली। प्रधान पर फायर झोंकने के बाद वह कुछ घंटे तक घर के बाथरूम में छिपा रहा। वही अरोपी युवक के पास ओवर लोड बंदूक होने के कारण कोई भी उसके करीब जाने की हिम्मत नही कर पाया।

मौके पर आरोपी वहां से चकमा देकर जंगल की ओर भागने में कामयाब हो गयां। मौके पर घटना स्थल के पास बेरीनाग के उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिह व थाना अध्यक्ष हेम पंत ने अरोपी युवक की पकड़ने के लिए युवक के पीछे गए। आरोपी युवक हत्या स्थल से दो किमी दूर पास के ही मंदिर के अंदर छिपा हुआ बैठा था। युवक को मौके से हिरासत में लेकर थाना इंचार्ज ने कड़ी पूछताछ की। आरोपी के खिलाफ भादवि धारा 302 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मुकदमा दर्ज जेल भेज दिया गया है। गांव में इस घटना के बाद मृतक प्रधान के घर में कोहराम का माहौल मच गया है। आरोपी के गिरफ्त में आने के बाद बेरीनाग पुलिस ने राहत की सांस ली है। गांव में इस घटना ने काफी गहमा गहमी व चर्चाओं का माहौल बन गया है। हत्या का आरोपी नीरज के परिवार वाले नीरज द्वारा उठाये गये ऐसे कदम से हैरान है।

आरोपी को पकड़ने वालो मे शामिल टीम में तहसीलदार डां ललित मोहन तिवारी, थानाध्यक्ष हेम चंद्र पंत,नायब तहसीलदार हिमांशु जोशी, गोविन्द नाथ गोस्वामी, पूरन नाथ गोस्वामी ,मनीषा बिष्ट,पुष्कर सिंह सांगुडी,पवन चौहान,गोपाल सिह, सुंदर जेठी सहित पुलिस जवान मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

अगले सप्ताह तक विदाई ले सकता है उत्तराखंड में मानसून

संवाददाता उत्तराखंड में मानसून तीव्र बौछारों के साथ अगले सप्ताह तक विदाई ले सकता है। मौसम विभाग ने 23 और 24 सितंबर को प्रदेश के कुछ जिलों में भारी बारिश की आशंका जताई है। सोमवार दून समेत चार जिलों में हल्की बारिश की संभावना थी।
पिछले कई दिनों से उत्तराखंड में मानसून की रफ्तार सुस्त है। अंतिम चरण में पहुंचने के बावजूद मानसून की बारिश सामान्य से काफी कम है। हालांकि, अगले कुछ दिन कहीं–कहीं तेज बौछारों के साथ भारी बारिश हो सकती है। रविवार को कुमाऊं में नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में कहीं–कहीं हल्की बूंदाबांदी हुई। जबकि, देहरादून में दिनभर धूप खिली रही। तापमान में उछाल के कारण उमस भी परेशान करती रही।
मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान सामान्य से सात डिग्री अधिक रिकॉर्ड किया गया।

निरंतर बंद होते कोचिंग संस्थानों को खोले जाने की मांग

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड नवनिर्माण सेना द्वारा राज्य में लॉक डाउन व अब अनलॉक चार के चलते निरंतर बंद होते कोचिंग संस्थानों को खोले जाने की मांग को मुख्यमंत्री उत्तराखंड को जिलाधिकारी कार्यालय के माध्यम से प्रेषित किया गया और कहा कि इस दिशा में शीघ्र ही कार्यवाही करने की आवश्यकता है। यहां उत्तराखंड नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ता संस्थापक व प्रदेश महासचिव सुशील कुमार के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय में इकटठा हुए और वहां पर सांकेतिक रूप से प्रदर्शन कर प्रशासनिक अधिकारी के जरिये मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

इंफिनिटी लैब्स ने लॉन्च किया नेक्स्ट–जनरेशन सिक्योर एसडी–वैन सॉल्यूशंस

संवाददाता देहरादून। टेक्नोलॉजी और नेटवर्क सॉल्यूशंस के प्रमुख प्रदाता इंफिनिटी लैब्स ने इंफिनेक्स्ट सिक्योर एसडी–वैन को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नेक्स्ट जनरेशन सॉफ्टवेयर वाइड एरिया नेटवर्क सॉल्यूशन इनबिल्ट नेक्स्ट–जनरेशन फायरवॉल के साथ परिभाषित करता है। यह सॉल्यूशन सुरक्षा मानकों से समझौता किए बिना व्यापार–केंद्रित एप्लीकेशन है, जो एक उच्च गुणवत्ता वाला अनुभव प्रदान करने पर केंद्रित है। संपूर्ण भारत में बड़े उद्योग के साथ–साथ लघु और मध्यम व्यवसायों की पहुंच अब इंफिनेक्स्ट सिक्योर एसडी–वैन तक होगी। यह एक 'मेक इन इंडिया' उत्पाद है, जो इस बेजोड़ फीचर से लैस टेक्नोलॉजी का आसानी से फैलाव करने में मदद करता है। यह यूजर फ्रैंडली होने के साथ एंटरप्राइज क्लास सिक्योरिटी भी देता है।

एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने मैक्स अस्पताल प्रशासन का पुतला फूंका

संवाददाता देहरादून। प्रदेश की वरिष्ठ नेता व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा. इंदिरा हृदयेश के साथ बुरा बर्ताव करने के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने मैक्स अस्पताल दून प्रशासन का पुतला फूका।

एनएसयूआई के कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष मोहन भंडारी के नेतृत्व में कांग्रेस भवन में इकटठा हुए और वहां पर से मैक्स चिकित्सालय के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एस्ले हॉल चौक पहुंचे ओर जहां पर मैक्स प्रशासन का पुतला फूंका। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विगत 19 सितम्बर को राज्य सरकार के कहने पर नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस की वरिष्ठ नेता डॉ इंदिरा हृदयेश

नेता प्रतिपक्ष डा. इंदिरा हृदयेश के साथ बुरा बर्ताव करने के किया विरोध

को मैक्स अस्पताल इलाज के लिए देहरादून लाया गया था और डॉ इंदिरा हृदयेश कोरोना वायरस कोविड 19 से संक्रमित थी व उन्हें स्वास्थ्य संबंधित अन्य दिक्कत भी हो रही थी, लेकिन मैक्स अस्पताल प्रशासन द्वारा लापरवाही पूर्ण रवैया अपनाया गया व उन्हें सुविधाएं मुहैया नहीं करवाई गई।

वक्ताओं ने कहा कि चार घंटे इंतजार के बाद प्रशासन को उन्हें सिनर्जी अस्पताल में रात में भर्ती करना पड़ा। वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश की एक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि के साथ इस प्रकार का बर्ताव अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली दर्शाता है।

ऐतहासिक विलुप्त होती संस्कृति को बचाने के उद्देश्य से भिक्षा पदयात्रा शुरू

■स्वामी नित्यानंद सरस्वती के मंत्रोचार से धर्म रक्षा हेतु भिक्षा मांगनी आरंभ की गई

संवाददाता देहरादून। भैंरव सेना के कार्यकर्ताओं के द्वारा पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अंतर्गत महानगर संगठन मंत्री महेश बजरंगी के नेतृत्व में भैंरव सेना कार्यालय माता मंदिर रोड़ से सरस्वती विहार, अजबपुर, कुंज विहार जैसे घनी आबादी क्षेत्र में जन जागरण कर सनातन धर्म एवं देवभूमि पहाड़ की आध्यात्मिक तथा ऐतहासिक विलुप्त होती संस्कृति को बचाने के उद्देश्य से भिक्षा पदयात्रा शुरू की गई।

इस अवसर पर भिक्षा पदयात्रा का शुभारंभ माता मंदिर रोड़ से मुख्य अतिथि भैंरव सेना संरक्षक स्वामी दर्शन भारती के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष संदीप खत्री को भगवा ध्वज पकड़ा कर भिक्षा पदयात्रा की शुरूआत की गई। इस अवसर पर जगत जननी माँ जगदंबा के साधक यतिराम स्वरूपानंद सरस्वती एवं स्वामी नित्यानंद सरस्वती के मंत्रोचार द्वारा धर्म रक्षा हेतु भिक्षा मांगनी आरंभ की गई। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने भैंरव सेना के माध्यम से चलाए जा रहे संस्कृति रक्षा अभियान की सराहना कर संगठन द्वारा तय की गई भिक्षा संतो और कार्यकर्ताओं के माध्यम से शास्त्र, संस्कृति और सनातनी परंपराओं को विलुप्त होने से बचाने के लिए किये जा रहे माता बगलामुखी महायज्ञ हेतु निष्ठा पूर्वक अर्पित की।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भैरव सेना संरक्षक स्वामी दर्शन भारती ने कहा की संगठन उत्तराखंड हितेषी है और उत्तराखंड मैं बढ़ रहे बाहरी लोगों के आने से धर्म और संस्कृति पर विलुप्ति का खतरा मंडरा रहा है।। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय वासियों के वंशजों के द्वारा पारिवारिक जीवन यापन के लिये किए जा रहे पारंपरिक कार्यों पर भी सेंध मारनी शुरू कर दी है। क्षेत्रीय युवा बेरोजगार होकर पलायन कर रहा है जो इस समय उत्तराखंड की सबसे गंभीर समस्या है।

हरिद्वार में भगदड़ में 20 लोगों की मौत मामले में हाईकोर्ट ने केस का रिकॉर्ड तलब किया

संवाददाता

नैनीताल। हाईकोर्ट ने आठ नवम्बर 2011 को शांतिकुंज हरिद्वार में हवन के दौरान मची भगदड़ में 20 लोगों की मौत और 67 लोगों के घायल होने के मामले में दायर जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई की।

मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार को दो सप्ताह के भीतर सम्बन्धित केस की फाइल कोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई पांच अक्टूबर नियत की है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि सम्बन्धित केस का पूरा रिकॉर्ड गायब कराया गया है, ताकि मामला दोबारा ना खुल सके,

दो सप्ताह के भीतर सम्बन्धित केस की फाइल कोर्ट में पेश करने के निर्देश

इसलिए इस केस का पूरा रिकार्ड मंगाया जाए।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवि कुमार मलिमथ व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की खंडपीठ में अधिवक्ता विवेक शुक्ला की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। जिसमें कहा गया है कि शांतिकुंज हरिद्वार के परमाध्यक्ष प्रणव पाण्डिया द्वारा अपने गुरु श्रीराम शर्मा की आठ नवम्बर 2011 को जन्म शताब्दी मनाई गई थी। जिसमें पांच राज्यों के मुख्यमंत्री सहित कई वीआईपी और करीब एक लाख लोग शामिल हुए थे। शांतिकुंज परिवार ने वीआईपी व आम जनता के लिए हवन करने हेतु अलग अलग व्यवस्था की थी। जहां पर सामान्य लोगो के लिए हवन करने की व्यवस्था की गई थी, वहां पर भगदड़ मचने से करीब 20 लोगों की मौत तथा 67 लोग घायल हो गए थे। अभी तक किसी भी पीड़ित परिवार को इस घटना का मुआवजा नहीं दिया गया। इस मामले में पुलिस द्वारा अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। जब जांच समाप्त हुई तो सरकार ने मामला रफा दफा कर दिया और कहा कि लोकहित देखते हुए इस मामले को आगे नही बढ़ाना चाहती है।याचिका कर्ता ने कोर्ट से प्रार्थना कि है कि इस मामले की पुनः जांच की जाय ,क्योंकि इतने बड़े आयोजन में पुलिस की सहायता नहीं ली गयी, न ही पीड़ितों को मुआवजा ही दिया गया।

राज्य आंदोलनकारी मंच ने आठ सूत्रीय मांगों के समाधान को किया प्रदर्शन

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच ने अपनी आठ सूत्रीय मांगों के समाधान के प्रदर्शन कर धरना दिया और जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।
मंच से जुड़े हुए आंदोलनकारी प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी के नेतृत्व में गांधी रोड स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में इकटठा हुए और प्रदेश की स्थायी राजधानी गैरसैंण को घोषित किये जाने सहित आठ सूत्रीय मांगों के समाधान के लिए प्रदर्शन कर धरना दिया और कहा कि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो सड़कों पर उतरकर आंदोलन चलाया जायेगा और इसके लिए रणनीति तैयार की जायेगी। वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से आंदोलनकारी अपनी मांगों के समाधान के लिए आंदोलनरत है लेकिन प्रदेश सरकार को कई ज्ञापन दिये जाने के बाद भी आज तक उनकी मांगों पर किसी भी प्रकार से ध्यान नहीं दिया गया है जिससे आंदोलनकारी अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रहे है।